Title : Need to conduct CBI inquiry into the alleged irregularities in various ancilliaries of Coal India Limited.

श्री चन्द्र शेखर दूबे (धनबाद) : सभापति महोदय, मैं कोल इंडिया से संबंधित कुछ बातें सदन में रखना चाहता हूं। कोल इंडिया की करीब-करीब सभी अनुांगी ईकाईयों में व्याप्त भ्रटाचार का कोई ठिकाना नहीं है।

इससे पूरा कोयलांचल त्रस्त है। मैं दो-तीन पॉइंट्स पर आपको बताना चाहूंगा कि वहां पर आउट्सोर्सिंग हो रही है। हर कंपनी में जो आउट्सोर्सिंग हो रही है, उससे सीधे ठेकेदारी प्रथा द्वारा काम हो रहा है। हम लोगों की नेत्री इंदिरा जी ने जो राट्रीयकरण किया था, उस सपने को चकनाचूर किया जा रहा है और अवैध रूप से ठेकेदारी प्रथा कोयलांचल में चल रही है। कई कंपनियों के उदाहरण इस समय मेरे समक्ष हैं।

माननीय सभापति जी, मैं यह भी बताना चाहता हूं कि आज ई-ऑक्शन प्रणाली द्वारा कोयले की बिक्री हो रही है। इस ई-ऑक्शन प्रणाली में बहुत भ्रटाचार है। जो ट्रेन से कोयला सप्लाई होता है, वह करीब 85 प्रतिशत होता है जिनको 1100 रुप्ये प्रति टन के हिसाब से रैक कंपनी को पेमेंट की जाती है,

लेकिन वहीं पर 10-15 प्रतिशत जो बच जाता है, जिनकी ट्रक से सप्लाई होती है, उनको 3800 से 3900 रुप्ये प्रति टन तक देना पड़ता है। इससे हमारे क्षेत्र में खासकर झारखंड में छोटे-छोटे उद्योग बंद होने के कगार पर हैं। एक भी उद्योग वहां पर नहीं चल पा रहा है। ई-ऑक्शन प्रणाली से बिक्री होने के कारण छोटे उद्योगों को कोयला नहीं मिल पा रहा है।

माननीय सभापति जी, अभी हाल ही में कोयला विभाग के अधिकारियों ने 40 कोल ब्लॉक्स बड़ी-बड़ी मल्टीनेशनल कंपनीज़ को दिये थे जिनमें करीब 90 प्रतिशत उन लोगों को कोल ब्लॉक्स मिले हैं, जिनके पास कोई उद्योग और कारखाने नहीं हैं, बाज़ार में माल बेचकर वे लोग सिर्फ दो नंबर का काम करते हैं। जिनके पास कारखाने हैं, उन लोगों को कोयला नहीं दिया जाता है। यह बहुत बड़ा भ्रटाचार है। â€¦ (व्यवधान)

सभापति महोदय : आप अपनी बात समाप्त कीजिये। आप जो कहना चाहते हैं, वह बात इसमें आ गई है।

श्री चन्द्र शेखर दूबे : मैं कहना चाहता हूं कि स्पंज आइरन और अन्य उद्योगों के विस्तार की 142 फाइलें कोयला सचिव की टेबल पर पड़ी हुई हैं। उनमें जो सही हैं, उनकी फाइल भी दबी पड़ी है और जो गलत हैं, उनकी फाइल भी दबी पड़ी है। यानी एक चोर और एक इंसान दोनों को एक सूत्र में बांधकर कोयला विभाग चल रहा है। मैं इस तरह की धांधली की सीबीआई द्वारा जांच कराए जाने की मांग करता हूं। इससे राट्र को बहुत क्षति हो रही है। इससे ज्यादा न कहते हुए मैं पुनः आपके माध्यम से मांग करता हूं कि इसकी जांच सीबीआई द्वारा कराई जाए।